

ANNUAL REPORT 2019 -2020

THE SAMAJH



Rajesh
24/08/20



K. J. Kanwar

THE SAMAJH
www.thesamajh.in

135 B Bhagwan Nagar
New Delhi 110014, India

Phone: 8700900165
E-mail: info@thesamajh.in

CONTENT

1.	INTRODUCTION / परिचय	2
2.	PRESIDENT'S FOREWORD / प्रस्तावना	3
3.	TWO YEARS OF THE SAMAJH / द समझ के 2 सालो का विवरण	4
4.	VOLUNTEER / स्वयंसेवक की संख्या	5
5.	RESOURCE DEVELOPMENT / संसाधनों का विकास	5
6.	ENVIRONMENT PROTECTION AWARENESS / पर्यावरण संरक्षण जागरूकता	6
7.	COMPUTER TRAINING / कंप्यूटर शिक्षा	7
8.	PLANTATION DRIVE / वृक्षारोपण अभियान	8
9.	WOMEN EMPOWERMENT / महिला सशक्तिकरण	9
10.	EVENT - CERTIFICATE DISTRIBUTION / प्रमाणपत्र वितरण	11
11.	MEMBERS OF THE SAMAJH / द समझ के मुख्य सदस्य	12
12.	BALANCE SHEET 2019 - 20	13
13.	INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT 2019 - 20	15
14.	RECEIPTS & PAYMENT ACCOUNT 2019 - 20	16



Rajesh
22/08/20



Rajesh Ramdev

परिचय / INTRODUCTION

द समझ 2 वर्ष का हो गया है और यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। पिछले 2 वर्षों की हमारी यात्रा समझ, प्रयोग, कठिनाइयों, आशा, चिंता, आनंद और संतुष्टि का सामना करने की रही है।

दृष्टी / VISION

बहुत सारे हरे क्षेत्र और जंगली जीवन के साथ एक दुनिया। एक ऐसी दुनिया जहां मानव जाति के पास विकसित होने के लिए संसाधन हैं।

मिशन / MISSION

वन्यजीव, पर्यावरण और मानव जाति को बचाने के लिए समाज को जागरूक करना। इन 2 वर्षों में हमारे पास बहुत से परिवार थे, हम उन्हें पर्यावरण और वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रमों के साथ नि: शुल्क कौशल और शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ पोषण करते रहे। इन 2 वर्षों में हम पार्क, रिहायशी इलाकों और दक्षिण पूर्व दिल्ली में सड़क के किनारे 90 से अधिक पेड़ लगा कर लगातार उन पर अपनी नज़र गड़ाए हुए हैं।



Rajesh
22/08/20



G. Singh

President's Foreword / प्रस्तावना

इस वार्षिक रिपोर्ट (2019-2020) में द समझ की 2 साल की यात्रा के दौरान प्राप्त उपलब्धियों को साझा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह यात्रा आसान नहीं थी, लेकिन जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, मैं मुस्कराता हूँ और सोचता हूँ कि कभी मेने अकेले ही यह दायित्व लिया और कब मेरे साथ कारवां जुड़ता चला गया।

सबसे पहले मैं अपने उन सभी सदस्यों, सलाहकारों और वालंटियर्स, क्षेत्रीय लोगो, और सरकार को आभार प्रकट करना चाहूँगा जिनके अथक प्रयासों और मदद द्वारा मैं 2 वर्षों से निरंतर अपना दायित्व निभा पाया हूँ। इन सभी के बिना यह कार्य असंभव था।

अपने इस कार्यकाल में मुझे अपने बुद्धिमान सलाहकारों, सदस्यों और ट्रस्टियों से समर्थन और सलाह मिली। प्रत्येक सदस्य या ट्रस्टी के पास अनुभव का अपना क्षेत्र होता है, इसलिए किसी एक संगठन को चलाने के लिए बहुत सारे दिमाग होना अपने आप में एक बल है जो कि मुझे प्राप्त हुआ। मैंने बहुत कुछ सिखा और आज भी नया सीखने को मिल रहा है।

हमारी टीम रोज एक योद्धा की भांति कार्य करती है, वन्यजीवन की सुरक्षा हेतु, प्रकृति की सुरक्षा हेतु, और मानव जाती की मदद हेतु। हमारे ये योद्धा न केवल पेड लगते हे बल्कि उन पर नज़र रख कर उनको खाद और पानी भी प्रदान करते हैं। हमारे शिक्षक न केवल शिक्षा प्रदान करते हे अपितु शिक्षित युवाओ को रोजगार प्राप्त करने में मदद भी करते हैं। हमारी टीम न केवल वन्यजीवन के लिए जागरूकता देने का कार्य करते हे अपितु छोटे बच्चो में पशु पक्षियों के प्रति स्नेह भावना भी जागृत करते हैं। केवल मदद करना ही पर्याप्त नहीं होता, मदद को प्रभावी बनाना भी जरुरी होता है।

मैं अपने सभी बोर्ड के सदस्यों, सलाहकारों, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों के प्रति आभार महसूस करता हूँ, जो इस यात्रा पर सामूहिक रूप से एक साथ मेरे साथ हर कदम रखते हैं। मैं आगे आने वाले दिनों में नए प्रयोग और नए संसाधनों से जन कल्याण के लिए प्रत्यनशील रहूँगा और 'द समझ' का लक्ष्य जरुर सच करूँगा, "हरित धरा जिसमे प्रत्येक जीव, जन्तु, पक्षी, और मानव खुशहाल हो।"

आर जे रावत
अध्यक्ष और संस्थापक ट्रस्टी
द समझ

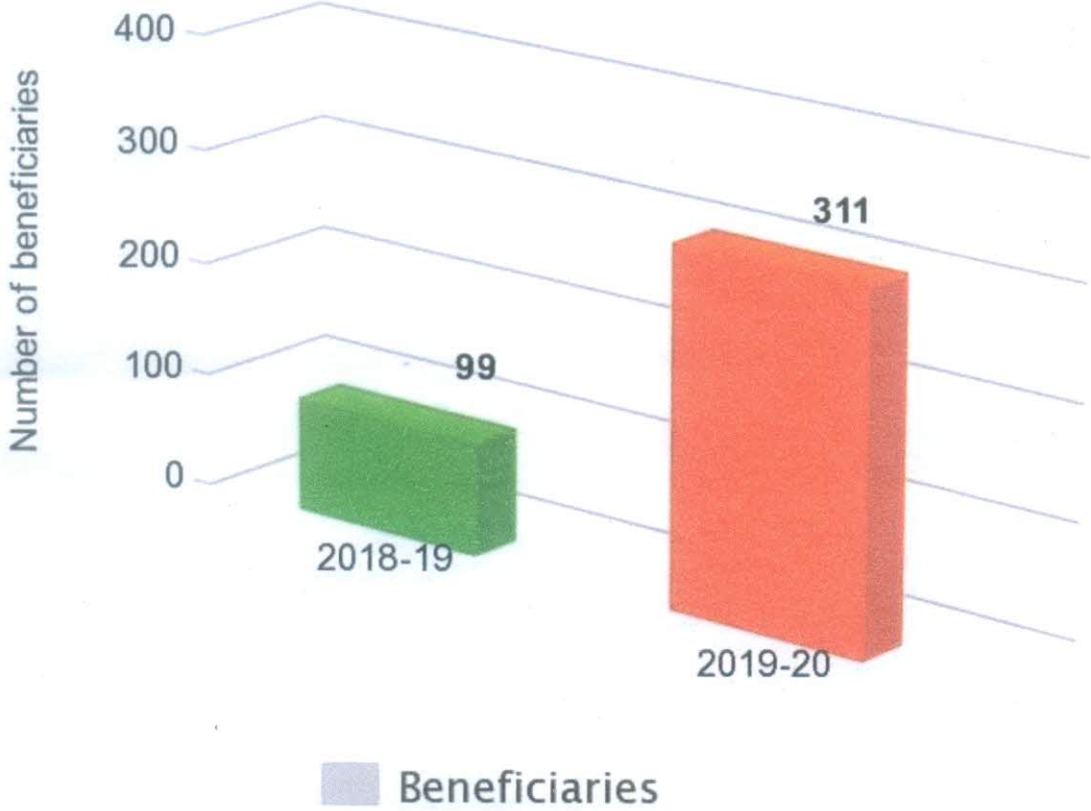


Rajesh
22/08/20

- facebook.com/rjraawat
- instagram.com/rjraawat
- linkedin.com/in/rjraawat
- twitter.com/rjraawat
- in.pinterest.com/rjraawat

2 Years of The Samajh / द समझ के 2 सालो का विवरण

स्थापना के बाद से, द समझ बच्चों और वयस्कों सहित 311 अलग-अलग व्यक्तियों तक मदद पहुंचा चुका है। हमने 115 बच्चों और वयस्कों के साथ अपनी सेवाओं को भी दोहराया। पहले वर्ष हमारे द्वारा लाभ प्राप्त करने वालों की संख्या केवल 90 थी परन्तु 2019-20 में हमारे द्वारा मदद प्राप्त करने वालों की संख्या 311 हुई जो हमारा मनोबल बढ़ाने में सहायक हुई।



हमने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय क्षेत्र में हमारा कार्य ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी पहुंच बनाये और उनको लाभ पहुंचाए। इसके लिए हमने अपने वालंटियर/स्वयंसेवक को तैयार किया और उहोने स्थानीय क्षेत्र में लोगों को चिन्हित किया जिनको मदद की सख्त जरूरत थी।

हमने शिक्षा में उनकी मदद करने की भरसक प्रयास किया, हमने उन्हें स्वस्थ के प्रति जागरूक किया और यह कदम उनके बच्चों से शुरू किया गया। हमने उनको राशन कार्ड बनवाने में मदद करी, हमने उन्हें सरकारी सहायता से अवगत कराया जिसके वे हकदार तो थे परन्तु उनको उस सुविधा की कोई जानकारी प्राप्त नहीं थी।



Rajesh
22/08/20



